Prepp

Practice, Learn and Achieve
Your Goal with Prepp

# UGC NET Exam

## Sanskrit Traditional

Simplifying
**Government Exams**

SSC CHSL | IAS EXAM | RRB NTPC | NTSE | CDS
SSC CGL | CBSE UGC NET | IBPS PO | NDA
SBI PO | IBPS CLERK | AFCAT | SSC JE | CTET
CSIR UGC NET | CAPF | IBPS RRB

www.prepp.in

# PAPER-II
# SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No._____

(In words)

**D 7 3 1 3**

Time : **1 $^{1}/_{4}$** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **50**

## Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   **Example :** (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

## परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   **उदाहरण** : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**



Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

## संस्कृत-परम्परागत विषय:

## संस्कृत परम्परागत विषय

## SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

**प्रश्नपत्रम् – II**

**प्रश्नपत्र – II**

**Paper – II**

**संङ्केत :** अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत् (50)** बहुविकल्पीय प्रश्ना: सन्ति । तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम् । **सर्वे** प्रश्ना : उत्तरणीया: ।

**टिप्पणी :** इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें ।

**Note :** This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. Attempt **all** the questions.

**1.** सूर्यस्य मूलत्रिकोणराशिरस्ति –
सूर्य की मूलत्रिकोण राशि है –
मूल त्रिकोणराशि of सूर्य is –
(A) सिंह:
(B) कन्या
(C) तुला
(D) वृश्चिक:

**2.** मेषराशौ सूर्य: स्यात् तर्हि ऋतु: भवति –
मेष राशि में सूर्य हो तो ऋतु होती है –
When the सूर्य remains in मेषराशि, there happens the ऋतु –
(A) शिशिर:
(B) वसन्त:
(C) ग्रीष्म:
(D) वर्षा:

**3.** षष्ठीतिथेरधिपतिरस्ति –
षष्ठी तिथि का अधिपति है –
The स्वामी of षष्ठीतिथि is –
(A) सूर्य:
(B) कार्त्तिकेय:
(C) शिव:
(D) विष्णु:

**4.** दिगंशा: भवन्ति –
दिगंश होते हैं –
दिगंश exist –
(A) क्षितिजे
(B) छग्वृत्ते
(C) अभयवृत्ते
(D) क्रान्तिवृत्ते

**5.** विषुवांशा: भवन्ति –
विषुवांशा होते हैं –
विषुवांश exist –
(A) क्रान्तिवृत्ते
(B) विषुवद्वृत्ते
(C) कदम्बवृत्ते
(D) कोणवृत्ते

**6.** सूर्यग्रहणस्य स्पर्शो भवति –
सूर्यग्रहण का स्पर्श होता है –
स्पर्श of सूर्यग्रहण takes place –
(A) पूर्वत:
(B) पश्चिमत:
(C) सौम्यत:
(D) याम्यत:



Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

**7.** ताल्वादिस्थानमाभ्यन्तरप्रयत्नश्चेत्येतद्द्वयं यस्य येन तुल्यं तन्मिथ:..... स्यात् –

तालु आदि स्थान और आभ्यन्तरप्रयत्न ये दोनों जिन वर्णों के समान हों, उनकी परस्पर होती है –

When varṇas, of which तालु आदि स्थान and आभ्यन्तरप्रयत्न are same, they are mutually are identified with –

(A) संहितासंज्ञ:
(B) संयोगसंज्ञ:
(C) अवसानसंज्ञ:
(D) सवर्णसंज्ञ:

**8.** पररूपमेकादेशविधायकं सूत्रमस्ति –

पररूप एकादेश विधायक सूत्र है –

The Sutra enjoining पररूप एकादेश is –

(A) एङह्स्वात्संबुद्धे:
(B) एङ : पदान्तादति
(C) एङि पररूपम्
(D) अवङ् स्फोटायनस्य

**9.** अव्ययीभावसमासो भवति –

अव्ययीभाव समास होता है –

अव्ययीभाव समास is –

(A) पूर्वपदार्थप्रधान:
(B) उत्तरपदार्थप्रधान:
(C) अन्यपदार्थप्रधान:
(D) उभयपदार्थप्रधान:

**10.** "कर्मणा यमभिप्रैति स"..... –

"कर्मणा यमभिप्रैति स" उसे कहते हैं –

"कर्मणा यमभिप्रैति" is called –

(A) अपादानम्
(B) सम्प्रदानम्
(C) अधिकरणम्
(D) करणम्

**11.** शब्दनित्यताधिकरणमस्ति –

शब्दनित्यताधिकरण है –

शब्दनित्यताधिकरण is –

(A) प्रथमम्
(B) द्वितीयम्
(C) चतुर्थम्
(D) पञ्चमम्

**12.** श्रुतिर्भवति –

श्रुति है –

श्रुति is –

(A) द्विविधा
(B) त्रिविधा
(C) चतुर्विधा
(D) पञ्चविधा

**13.** आर्थीभावनाया: साध्यमस्ति –

आर्थीभावना का साध्य है –

The साध्य of आर्थीभावना is –

(A) स्वर्गादिफलम्
(B) विधिज्ञानम्
(C) करणज्ञानम्
(D) आकांक्षाज्ञानम्

**14.** न्यायसिद्धान्तमुक्तावलीकार: –

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के रचयिता हैं –

The author of न्यायसिद्धान्तमुक्तावली is –

(A) उदयनाचार्य:
(B) दिनकरभट्ट:
(C) विश्वनाथपञ्चाननभट्टाचार्य:
(D) गदाधरभट्टाचार्य:

**15.** अलोकनिरपेक्षं चक्षु: कारणमस्ति –

अलोकनिरपेक्षं चक्षु: कारण है –

The कारण of अलोकनिरपेक्षं चक्षु: –

(A) घटप्रत्यक्षे
(B) तम: प्रत्यक्षे
(C) रसप्रत्यक्षे
(D) अभावप्रत्यक्षे



Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

**16.** बाधनालक्षणं भवति –

बाधना लक्षण है –

The characteristic of बाधना is –

(A) सुखम्

(B) दु:खम्

(C) फलम्

(D) प्रयोजनम्

**17.** भोक्तृभावात् अस्ति –

भोक्तृभाव से है –

Due to भोक्तृभाव, there exists –

(A) प्रधानम्

(B) पुरुष:

(C) बुद्धि:

(D) धर्म:

**18.** वैशारदीव्याख्याकार: –

वैशारदीव्याख्या के रचयिता हैं –

The author of वैशारदी commentary is –

(A) वाचस्पतिमिश्र:

(B) जगदीशभट्टाचार्य:

(C) ईश्वरकृष्ण:

(D) व्यासाचार्य:

**19.** प्रवृत्तिदोषजनितोऽर्थ: –

प्रवृत्तिदोषोत्पन्न का अर्थ है –

The meaning of the term प्रवृत्तिदोषजनित is –

(A) फलम्

(B) वाद:

(C) प्रतिज्ञा

(D) उदाहरणम्

**20.** सांख्ययोगौ पृथक् बाला: प्रवदन्ति न पण्डित: – इत्युक्ति: वर्त्तते –

सांख्ययोगौ पृथक् बाला: प्रवदन्ति न पण्डित: – यह उक्ति है –

सांख्ययोगौ पृथक् बाला: प्रवदन्ति न पण्डित: – this statement is –

(A) मीमांसापरिभाषायाम्

(B) सांख्यकारिकायाम्

(C) योगदर्शने

(D) श्रीमद्भगवद्गीतायाम्

**21.** प्रत्यक्षमेव केवलमेकं प्रमाणं मन्यन्ते –

केवल प्रत्यक्ष को ही प्रमाण मानते है –

प्रत्यक्ष being only the Pramana is held by –

(A) चार्वाका:

(B) जैना:

(C) याज्ञिका:

(D) वैज्ञानिका:

**22.** वैभाषिका: कथ्यन्ते –

वैभाषिक कहलाते है –

वैभाषिकs are called as –

(A) बौद्धा:

(B) सांख्या:

(C) मीमांसका:

(D) जैना:

**23.** हविर्यागानां प्रकारा: सन्ति –

हविर्यागों के भेद हैं –

The divisions of हविर्यागs are –

(A) षट्

(B) दश

(C) नव

(D) सप्त



Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click Know More

**24.** वाजपेयम् अनुष्ठाय भवति –
वाजपेय याग का अनुष्ठान कर के होता है –
one who performs वाजपेय याग, becomes –
(A) राजा
(B) महाराजा
(C) सम्राट्
(D) सेनापति:

**25.** अश्वमेधे अश्वेन सह शेते –
अश्वमेध यज्ञ में अश्व के साथ सोती है –
In अश्वमेध sacrifice, the animal sleeping with अश्व, is –
(A) वावाता
(B) अनुचरी
(C) महिषी
(D) पालागली

**26.** आवसथ्याग्न्याधानं कर्त्तव्यं भवति –
आवसथ्य अग्नि का आधान किया जाता है –
आवसथ्याग्न्याधान is to be performed –
(A) अक्षरारम्भसमये
(B) वधूप्रवेशसमये
(C) वाग्दानकाले
(D) दायाद्यकाले

**27.** माध्वमतरीत्या श्रुतिस्मृतीनां महातात्पर्यमस्ति –
माध्वमत के अनुसार श्रुतिस्मृतियों का महातात्पर्य है –
According to माध्वमत, the main purport of श्रुति and Smriti, is –
(A) ज्ञानोपदेशे
(B) विष्णो: गुणोत्कर्षे
(C) जगत्सत्यत्वे
(D) भेदनिरूपणे

**28.** न चोच्चारणकाले उत्पत्ति: –
उच्चारण के समय उत्पत्ति नहीं होती है –
At the time of pronunciation, there does not take place the origin of –
(A) वर्णानां
(B) वेदानां
(C) धर्माणां
(D) कर्मणां

**29.** 'प्रपञ्चो यदि विद्येत' – इति श्रुतिवाक्यं निरूपयति –
'प्रपञ्चो यदि विद्येत' – यह श्रुतिवाक्य – निरूपक है –
'प्रपञ्चो यदि विद्येत' – this श्रुतिवाक्य establishes –
(A) प्रपञ्चमिथ्यात्वम्
(B) प्रपञ्चस्य अनादिनित्यत्वम्
(C) प्रपञ्चस्य प्रातिभासिकत्वम्
(D) प्रपञ्चस्य परमात्मभिन्नत्वम्

**30.** माध्वमतरीत्या 'वाचा विरूपनित्यया' इति श्रुत्या प्रतिपादितम् –
माध्वमत के अनुसार 'वाचा विरूपनित्यया' – यह श्रुति प्रतिपादन करता है –
According to माध्वमत, the श्रुति 'वाचा विरूपनित्यया' establishes –
(A) वेदनित्यत्वम्
(B) स्मृतिनित्यत्वम्
(C) विष्णुवेदगम्यत्वम्
(D) भेदस्य धर्मिस्वरूपत्वम्

**31.** माध्वमतरीत्या जीवा: भवन्ति –
माध्वमत के अनुसार जीव होते हैं –
According to माध्वमत जीवs are –
(A) ईश्वरसमाना:
(B) ब्रह्मोपाधिभूता:
(C) नीचोच्चभावंगता:
(D) ईश्वराभिन्ना:

**32.** फलदानां वृक्षाणां छेदने प्रायश्चितं भवति –
फलवान् वृक्षों को काटने पर प्रायश्चित होता है –
By cutting of the fruitifying trees, the प्रायश्चित is –
(A) ऋक्शतं जप्यम्
(B) द्वादशवार्षिकं व्रतम्
(C) नववार्षिकं व्रतम्
(D) काष्ठदानम्



Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

**33.** मातापितृभ्यामुत्सृष्टः पुत्रो भवति –
माता पिता के द्वारा उत्सृष्ट पुत्र होता है –
The उत्सृष्टपुत्र by his parents, is known as –
(A) कानीनः
(B) अपविद्धः
(C) कुत्रिमः
(D) पौनर्भवः

**34.** अष्टकाश्राद्धमस्ति –
अष्ट का श्राद्ध है –
अष्टकाश्राद्ध is –
(A) काम्पम्
(B) नैमित्तिकम्
(C) प्रत्यहम्
(D) नित्यम्

**35.** त्रयोदशसंस्काराः वर्णिताः सन्ति –
त्रयोदश संस्कारों का वर्णन हैं –
Thirteen संस्कारs are described in –
(A) व्यासस्मृतौ
(B) विष्णुस्मृतौ
(C) मनुस्मृतौ
(D) याज्ञवल्क्यस्मृतौ

**36.** 'यः पुरुषं निःश्रेयसेन संयुनक्ति सः' – उच्यते –
'यः पुरुषं निःश्रेयसेन संयुनक्ति सः' – कहते है –
'यः पुरुषं निःश्रेयसेन संयुनक्ति सः' – is called –
(A) धर्मः
(B) अर्थः
(C) कामः
(D) इन्द्रियविशेषः

**37.** स्कन्दस्वामिना भाष्यं प्रणीतम् –
स्कन्दस्वामि ने भाष्य की रचना की –
The com written by स्कन्दस्वामि is –
(A) काण्वसंहितायाः
(B) सामवेदस्य
(C) मैत्रायणीसंहितायाः
(D) शाकलसंहितायाः

**38.** नाट्यशास्त्रस्य षष्ठोऽध्यायः वर्तते –
नाट्यशास्त्र का षष्ठ अध्याय है –
The sixth Adhyaya of नाट्यशास्त्र is –
(A) नाट्योत्पत्तिरध्यायः
(B) प्रेक्षागृहोऽध्यायः
(C) रसाध्यायः
(D) अभिनयाध्यायः

**39.** कुन्तकोक्तमार्गनिरूपणस्याधारोऽस्ति –
कुन्तक के मार्गनिरूपण का आधार है –
मार्गनिरूपण of कुन्तक is based on –
(A) देशविशेषः
(B) कविस्वभावः
(C) वर्ण्यविषयः
(D) शब्दचमत्कारः

**40.** मम्मटोक्तदिशा रसदोषाः भवन्ति –
मम्मट के अनुसार रसदोष हैं –
The number of रसदोषs according to Mammata, is –
(A) एकादश
(B) द्वादश
(C) त्रयोदश
(D) चतुर्दश

**41.** आर्थीव्यञ्जनायां अर्थस्य व्यञ्जकत्वे..... सहकारिता भवति –
आर्थीव्यञ्जना में अर्थ की व्यञ्जकता और ..... सहकारिता है –
व्यंजकता of _____ helps in आर्थीव्यञ्जना –
(A) वर्णस्य
(B) उपसर्गस्य
(C) प्रत्ययस्य
(D) शब्दस्य



Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

**42.** शान्तिपर्वणि दुर्गसंख्या भवति –
शान्तिपर्व में दुर्गसंख्या है –
The number of दुर्गs described in the शान्तिपर्व is –
(A) षड्
(B) नव
(C) पञ्च
(D) दश

**43.** शाकद्वीपेश्वरोऽस्ति –
शाकद्वीप के ईश्वर है –
The ईश्वर of शाकद्वीप is –
(A) मेधातिथि:
(B) द्युतिमान्
(C) हव्य:
(D) वपुष्मान्

**44.** तामसपुराणमस्ति –
तामस पुराण है –
Tāmasa Puran is –
(A) ब्रह्मपुराणम्
(B) नारदीयपुराणम्
(C) वामनपुराणम्
(D) मात्स्यपुराणम्

**45.** शिवपूजाविधाने रंगवल्यादिकथनं प्रयुक्तम् –
शिवपूजा के विधान में रंगवल्यादिकथन प्रयुक्त होता है –
रंगवल्यादिकथन is prescribed in शिवपूजाविधान –
(A) पाशुपतागमे
(B) कारणागमे
(C) सूक्ष्मागमे
(D) चन्द्रज्ञानागमे

**46.** कारणागमे पटलसंख्या भवति –
कारणागम में पटल होते हैं –
The number of पटलs in Kāranagama, is –
(A) सप्त
(B) दश
(C) नव
(D) पञ्च

**47.** पति-पशु-पाशानां तत्त्वत्रयाणां विचार: विशदीकृत: –
पति-पशु-पाश इन तीन तत्त्वों का विशद विवेचन किया गया है –
The three principles पति-पशु and पाश are explained –
(A) चन्द्रज्ञानागमे प्रथमेपटले
(B) कामिकागमे प्रथमे पटले
(C) मुकुटागमे प्रथमे पटले
(D) कारणागमे प्रथमे पटले

**48.** रामानन्दविरचितव्याख्या –
रामानन्दविरचित व्याख्या है –
The commentary written by रामानन्द is called –
(A) रत्नप्रभा
(B) ब्रह्मविद्याभरणम्
(C) भाष्यभावप्रकाशिका
(D) न्यायनिर्णय:

**49.** तद्विवेकेन च वस्तुस्वरूपावधारणं - आहु: –
तद्विवेकेन च वस्तुस्वरूपावधारणं – कहा है –
तद्विवेकेन च वस्तुस्वरूपावधारणं is known as –
(A) विद्याम्
(B) अज्ञानम्
(C) प्रकृतिम्
(D) मुक्तिम्

**50.** अथशब्दों न मङ्गलार्थक: वाक्यार्थे –
वाक्यार्थ में अथ शब्दों न मङ्गलार्थक वाचक नहीं है –
inवाक्यार्थ, अथ is not मङ्गलार्थक वाचक –
(A) समन्वयाभावात्
(B) अन्यार्थकत्वात्
(C) व्यर्थत्वात्
(D) सिद्धसाधनवत्त्वात्



Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

Prepp

# Latest Sarkari jobs, Govt Exam alerts, Results and Vacancies

- Latest News and Notification
- Exam Paper Analysis
- Topic-wise weightage
- Previous Year Papers with Answer Key
- Preparation Strategy & Subject-wise Books

To know more **Click Here**

www.prepp.in